License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

न्यायियों 1:1

जब इस्राएलियों को कनानियों के विरुद्ध चढ़ाई के लिए जाना होगा तो उनकी अगुवाई कौन करेगा?

इस्राएलियों को कनानियों के विरुद्ध चढ़ाई करने के लिए उनकी अगुवाई यहूदा करेगा।

न्यायियों 1:4–5

यहूदा के पुरुषों ने किससे लड़ाई लड़ी?

यहूदा के पुरुषों ने अदोनीबेजेक से लड़ाई लड़ी।

न्यायियों 1:7

अदोनीबेजेक की मेज के नीचे से किसने अपने लिये टुकड़े बीने थे?

सत्तर राजाओं ने, जिनके अँगूठे और पाँव के अँगूठे काट दिए गए थे, अदोनीबेजेक की मेज के नीचे से अपने लिये टुकड़े बीने थे।

न्यायियों 1:10

हेब्रोन का नाम पूर्वकाल में क्या था?

हेब्रोन का नाम पूर्वकाल में किर्यतअर्बा था।

न्यायियों 1:12–13

कालेब ने ओत्नीएल को क्या दिया?

कालेब ने अपनी बेटी अकसा का विवाह ओत्नीएल से कर दिया।

न्यायियों 1:15

चूँकि अकसा नेगेव में थी, वह अपने पिता से क्या चाहती थी?

चूंकि अकसा नेगेव में थी, वह चाहती थी कि उसे जल के सोते दिए जाए।

न्यायियों 1:16

यहूदा का जंगल कहाँ है?

यहूदा का जंगल नेगेव में है।

न्यायियों 1:19

यहूदा के लोग तराई के निवासियों को क्यों नहीं निकाल सके?

वे तराई के निवासियों को नहीं निकाल सके क्योंकि वहाँ के निवासियों के पास लोहे के रथ थे।

न्यायियों 1:21

यबूसी यरूशलेम में बिन्यामीनियों के संग क्यों रहते थे?

क्योंकि बिन्यामीनियों ने यरूशलेम में रहने वाले यबूसियों को नहीं निकाला था, इसलिए यबूसी यरूशलेम में बिन्यामीनियों के लोगों के संग रहते थे।

न्यायियों 1:25–26

उस मनुष्य का क्या हुआ जिसने यूसुफ के घराने के भेद लेनेवालों को बेतेल में जाने का मार्ग दिखाया था?

भेद लेनेवालों ने उस मनुष्य और उसके घराने को छोड़ दिया और वह मनुष्य हित्तियों के देश में गया और एक नगर बसाया और उसका नाम लूज रखा।

न्यायियों 1:28

जब इस्राएली सामर्थी हो गए, तो उन्होंने कनानियों के साथ क्या किया?

जब इस्राएली सामर्थी हो गए, तो उन्होंने कनानियों से बेगारी ली, परन्तु उन्हें पूरी रीति से न निकाला।

न्यायियों 1:32

आशेर का गोत्र कनानियों के बीच क्यों रहता था?

आशेर का गोत्र कनानियों के बीच रहता था, क्योंकि आशेर ने उन्हें नहीं निकाला था।

न्यायियों 1:34–35

हेरेस पहाड़, अय्यालोन और शाल्बीम में एमोरियों को किसने हराया?

यूसुफ के घराने ने उनको वश में कर लिया था।

न्यायियों 2:1

यहोवा का दूत इस्राएल के लोगों को कहाँ ले गया?

यहोवा का दूत उन्हें उस देश में ले गया जिसे देने की शपथ उन्होंने उनके पूर्वजों से खाई थी।

न्यायियों 2:3–4

जब स्वर्गदूत ने कहा कि वह इस्राएलियों के सामने से कनानियों को नहीं निकालेगा, तो उन्होंने क्या किया?

जब स्वर्गदूत ने कहा कि वह इस्राएलियों के सामने से कनानियों को नहीं निकालेगा, तो वे चिल्ला चिल्लाकर रोने लगे।

न्यायियों 2:7

लोग यहोवा की सेवा कितने समय तक करते रहे?

लोग यहोशू के जीवन भर, और उन वृद्ध लोगों के जीवन भर जो यहोशू के मरने के बाद तक जीवित रहे यहोवा की सेवा करते रहे।

न्यायियों 2:12

इस्राएल के लोग किन देवताओं की उपासना करने लगे?

इस्राएल के लोग पराए देवताओं की उपासना करने लगे।

न्यायियों 2:15

यहोवा ने इस्राएल से कौन-सी शपथ खाई थी?

यहोवा ने शपथ खाई थी कि जहाँ कहीं भी इस्राएल बाहर युद्ध करने जाएगा, यहोवा का हाथ उनकी बुराई में लगा रहेगा।

न्यायियों 2:16

न्यायी लोगों ने क्या कार्य किया?

न्यायी लोगों ने लूटनेवालों के हाथ से इस्राएलियों को छुड़ाया था।

न्यायियों 2:19

जब न्यायी मर जाता, तब क्या होता था?

जब न्यायी मर जाता, तो इस्राएल के लोग फिर से भटक जाते और ऐसे कार्य करते जो उनके पुरखाओं से अधिक बिगड़े हुए होते थे।

न्यायियों 2:21–22

यहोवा ने इस्राएल से उन जातियों को क्यों नहीं निकाला जिन्हें यहोशू ने मरते समय छोड़ गया था?

यहोवा ने इस्राएल से उन जातियों में से किसी को भी नहीं निकाला जिन्हें यहोशू मरते समय छोड़ गया था, ताकि यहोवा इस्राएलियों की परीक्षा कर सकें, कि क्या वे यहोवा के मार्ग पर चलेंगे या नहीं, जैसे उनके पूर्वज चलते थे।

न्यायियों 3:1

यहोवा ने इस्राएलियों को परखने के लिये जातियों को क्यों देश में रहने दिया था?

यहोवा ने पीढ़ी-पीढ़ी के इस्राएलियों में से जो लड़ाई को पहले न जानते थे उसको सीखने और जान लेने के लिये इस्राएलियों को परखने के लिये उन जातियों को देश में रहने दिया था।

न्यायियों 3:4

यहोवा शेष जातियों के द्वारा क्या करेंगे?

यहोवा शेष जातियों के माध्यम से इस्राएल की परीक्षा लेंगे, ताकि यह सुनिश्चित करें कि क्या वे उन आज्ञाओं को मानेंगे या नहीं जो उन्होंने मूसा के द्वारा उनके पूर्वजों को दी थीं।

न्यायियों 3:7

इस्राएलियों ने किसकी उपासना की?

वे बाल और अशेरा की उपासना की।

न्यायियों 3:9

यहोवा ने सबसे पहले किसे ठहराया, जो इस्राएलियों की सहायता करने आएगा?

यहोवा ने सबसे पहले कालेब के छोटे भाई, कनजी के पुत्र ओत्नीएल को ठहराया।

न्यायियों 3:12

मोआब के राजा एग्लोन को किसने प्रबल किया?

यहोवा ने मोआब के राजा एग्लोन को प्रबल किया।

न्यायियों 3:15

यहोवा ने इस्राएलियों की सहायता के लिये एहूद को कब ठहराया?

जब इस्राएलियों ने यहोवा की दुहाई दी तो यहोवा ने एहूद को उनकी सहायता के लिये ठहराया।

न्यायियों 3:16

एहूद ने अपनी बनाई हुई तलवार को कहाँ लटका लिया?

उसने उसे अपने वस्त्र के नीचे दाहिनी जाँघ पर लटका लिया।

न्यायियों 3:19–20

जब एहूद ने राजा को सन्देश सुनाया तो उसके साथ कौन था?

वहाँ केवल एहूद और राजा ही उपस्थित थे।

न्यायियों 3:22

फल चर्बी में धंसा क्यों रह गया?

फल चर्बी में धंसा रह गया क्योंकि एहूद ने राजा के शरीर में से तलवार को नहीं निकाला था।

न्यायियों 3:24

जब राजा के सेवकों ने देखा कि अटारी के किवाड़ों में ताला लगा है, तो उन्होंने क्या सोचा?

जब राजा के सेवकों ने देखा कि अटारी के किवाड़ों में ताला लगा है, तो उन्होंने सोचा कि वह हवादार कोठरी में लघुशंका कर रहा होगा।

न्यायियों 3:26

एहूद कब भाग निकला?

जब सेवक यह सोच विचार कर रहे थे कि उन्हें क्या करना चाहिए, तब एहूद भाग निकला।

न्यायियों 3:28

इस्राएलियों ने मोआबियों को नदी के पार उतरने से कैसे रोका?

इस्राएलियों ने मोआबियों के सामने यरदन के घाटों को ले लिया।

न्यायियों 3:31

शमगर ने छः सौ पलिश्ती पुरुषों को किससे मारा?

शमगर ने बैल के पैने से पलिश्ती पुरुषों को मार डाला।

न्यायियों 4:3

इस्राएलियों ने सहायता के लिए यहोवा की दुहाई क्यों दी?

इस्राएलियों ने सहायता के लिए यहोवा की दुहाई दी, क्योंकि याबीन के पास नौ सौ लोहे के रथ थे और उसने इस्राएलियों पर बीस वर्ष तक बड़ा अंधेर किया था।

न्यायियों 4:4

इस्राएली दबोरा के पास क्यों आए थे?

इस्राएली अपने विवादों को निपटाने के लिए दबोरा के पास आए थे।

न्यायियों 4:7

यहोवा सीसरा को बाराक से कहाँ मिलवाएँगे?

यहोवा सीसरा को बाराक से कीशोन नदी के पास मिलवाएँगे।

न्यायियों 4:8–9

यहोवा ने सीसरा को हराने के लिए एक स्त्री को क्यों चुना?

यहोवा ने एक स्त्री के द्वारा सीसरा को पराजित करवाया क्योंकि बाराक दबोरा के बिना नहीं गया था।

न्यायियों 4:11

केनियों का वंश किससे उत्पन्न हुआ था?

केनियों का वंश होबाब से उत्पन्न हुआ था, जो मूसा का ससुर था।

न्यायियों 4:16

सीसरा की सेना में से कितने जीवित बचे थे?

सीसरा की सेना में से एक भी मनुष्य नहीं बच पाया।

न्यायियों 4:17

सीसरा याएल के तम्बू में क्यों गया?

सीसरा याएल के तम्बू में गया, क्योंकि हासोर के राजा याबीन और याएल के पति हेबेर के घराने में मेल था।

न्यायियों 4:19

जब सीसरा ने पानी माँगा, तो याएल ने उसे क्या दिया?

जब सीसरा ने पानी माँगा, तो याएल ने उसे दूध दिया।

न्यायियों 4:21

याएल ने सीसरा को कैसे मार डाला?

याएल ने तम्बू की खूँटी उसकी कनपटी में ठोक दी और वह खूँटी उसमे से पार होकर भूमि में धँस गई।

न्यायियों 5:4

पृथ्वी कब डोल उठी?

जब यहोवा सेईर से निकल चले, जब उन्होंने एदोम से प्रस्थान किया, तब पृथ्वी डोल उठी।

न्यायियों 5:6

जो लोग पैदल चले, उन्होंने कौन-से सड़कें चुनी?

जो लोग पैदल चले, उन्होंने बटोही पगडण्डियों का उपयोग किया।

न्यायियों 5:8

इस्राएल में चालीस हजार लोगों में क्या नहीं देखा गया?

इस्राएल के चालीस हजार लोगों में न तो ढालें और न ही बर्छी देखी गईं।

न्यायियों 5:10

उजली गदहियों पर काठी के रूप में किन चीजों का उपयोग किया जाता था?

उजली गदहियों पर काठी के रूप में गलीचे का उपयोग किया जाता था।

न्यायियों 5:13

यहोवा के लोग किसके विरुद्ध उतर आए थे?

यहोवा के लोग दबोरा के पास शूरवीरों के विरुद्ध उतर आए थे।

न्यायियों 5:15

इस्साकार बाराक के साथ क्या कर रहा था?

इस्साकार बाराक के पीछे लगे हुए उसके आदेश के अनुसार तराई में झपटकर गया।

न्यायियों 5:18

जबूलून क्या जोखिम उठाएगा?

जबूलून अपने प्राण पर खेलने का जोखिम उठाएगा।

न्यायियों 5:20

आकाश की ओर से सीसरा के विरुद्ध किसने लड़ाई की?

आकाश में तारों ने अपने-अपने मण्डल से सीसरा से लड़ाई की।

न्यायियों 5:23

यहोवा के स्वर्गदूत ने मेरोज को श्राप क्यों दिया?

यहोवा के स्वर्गदूत ने मेरोज को श्राप दिया क्योंकि वे यहोवा की सहायता करने के लिए नहीं आए थे।

न्यायियों 5:26

याएल ने अपना हाथ किस पर रखा था?

उसने अपना हाथ खूँटी की ओर, अपना दाहिना हाथ बढ़ई के हथौड़े की ओर बढ़ाया।

न्यायियों 5:28

सीसरा की माता ने कहाँ से बाहर देखा था?

सीसरा की माता ने खिड़की में से झिलमिली की ओट से बाहर देखा था।

न्यायियों 5:31

यहोवा से प्रेम करने वालों को कैसा होना चाहिए?

जो लोग यहोवा से प्रेम करते हैं, उन्हें सूर्य के समान होना चाहिए जब वह अपने प्रताप के साथ उदय होता है।

न्यायियों 6:2

मिद्यानियों के कारण इस्राएलियों ने क्या किया?

मिद्यानियों के कारण, इस्राएलियों ने पहाड़ों के गहरे खड्डों, और गुफाओं, और किलों को अपने लिये निवास बना लिया।

न्यायियों 6:3

जब भी इस्राएली अपनी फसल बोते थे तो क्या होता था?

जब भी इस्राएली अपनी फसल बोते, मिद्यानी, अमालेकी और पूर्वी लोग इस्राएलियों के विरुद्ध चढ़ाई कर देते थे।

न्यायियों 6:5

कितने मिद्यानी और अमालेकी चढ़ाई करेंगे?

उनकी गिनती करना असंभव था।

न्यायियों 6:10

इस्राएली किसके देश में रह रहे थे?

वे एमोरी लोगों के देश में रह रहे थे।

न्यायियों 6:11

गिदोन दाखरस के कुण्ड में गेहूँ को क्यों झाड़ रहा था?

गिदोन मिद्यानियों से छिपा रखने के लिए गेहूँ को दाखरस के कुण्ड में झाड़ रहा था।

न्यायियों 6:13

गिदोन ने क्या सोचा कि यहोवा ने इस्राएलियों के साथ क्या किया है?

गिदोन ने सोचा कि यहोवा ने उन्हें त्याग दिया है और उन्हें मिद्यानियों के हाथ कर दिया है।

न्यायियों 6:15

गिदोन ने ऐसा क्यों सोचा कि वह इस्राएल को नहीं छुड़ा सकता?

गिदोन ने सोचा कि वह इस्राएल को नहीं छुड़ा सकता क्योंकि उसका कुल मनश्शे में सबसे कंगाल था, और वह अपने पिता के घराने में सबसे छोटा था।

न्यायियों 6:18

यहोवा गिदोन के लिये क्यों ठहरे रहे?

यहोवा गिदोन के लिये ठहरे रहे ताकि वह उन्हें एक भेंट निकालकर दे।

न्यायियों 6:20

परमेश्वर के दूत ने गिदोन को माँस और अख़मीरी रोटियों को कहाँ रखने को कहा?

परमेश्वर के दूत ने गिदोन से कहा कि वह माँस और अख़मीरी रोटियों को एक चट्टान पर रख दे।

न्यायियों 6:21

जब यहोवा के दूत ने लाठी को हाथ में लेकर आगे बढ़ाया तो क्या हुआ?

जब यहोवा के दूत ने लाठी को हाथ में लेकर बढ़ाया, और माँस और अख़मीरी रोटी को छुआ, तब चट्टान में से आग निकली और माँस और अख़मीरी रोटी को भस्म कर दिया।

न्यायियों 6:22–23

जब गिदोन ने यह जान लिया कि उसने यहोवा के दूत को देखा है तो वह क्यों डर गया?

जब गिदोन ने यह जान लिया कि उसने यहोवा के दूत को देखा है तो वह डर गया क्योंकि उसे लगा कि वह मर जाएगा।

न्यायियों 6:26

यहोवा ने गिदोन को शरणस्थान के ऊपर क्या बनाने को कहा?

यहोवा ने उससे कहा कि वह शरणस्थान के ऊपर यहोवा के लिए एक वेदी बनाए।

न्यायियों 6:27

गिदोन ने वह क्यों किया जो यहोवा ने उसे रात में करने को कहा था?

गिदोन ने वही किया जो यहोवा ने उसे रात में करने को कहा था क्योंकि वह अपने पिता के घराने और नगर के लोगों से इतना डरता था कि वह दिन में ऐसा नहीं कर सकता था।

न्यायियों 6:30

नगर के मनुष्य गिदोन को क्यों मारना चाहते थे?

वे लोग गिदोन को मार डालना चाहते थे, क्योंकि उसने बाल की वेदी को गिरा दिया था, और उसके पास की अशेरा को भी काट डाला था।

न्यायियों 6:32

गिदोन को "यरूब्बाल" नाम क्यों दिया गया?

गिदोन को "यरूब्बाल" नाम दिया गया, क्योंकि उसने कहा था, "बाल आप वाद विवाद कर ले," क्योंकि गिदोन ने उसकी वेदी को गिरा दिया था।

न्यायियों 6:36–37

गिदोन ने यह जानने के लिए क्या किया कि क्या यहोवा इस्राएल को छुड़ाने के लिए उसका उपयोग करना चाहते हैं?

गिदोन ने खलिहान में एक भेड़ी की ऊन को रख दिया। उसने कहा कि अगर ओस केवल ऊन पर पड़े और भूमि सूखी रहे, तो वह जान लेगा कि यहोवा इस्राएल को छुड़ाने के लिए उसका उपयोग करेंगे।

न्यायियों 6:38

जब गिदोन ने ऊन को दबाया और उसमें से ओस निचोड़ी, तो उसमें कितना जल था?

जब गिदोन ने ऊन को दबाया और उसमें से ओस निचोड़ी, तो उसमें एक कटोरा भर के पर्याप्त जल था।

न्यायियों 6:39

परमेश्वर के लिए गिदोन की दूसरी परीक्षा क्या थी?

गिदोन की दूसरी परीक्षा यह थी कि परमेश्वर ऊन को सूखी रहने दें और उसके चारों ओर की सारी भूमि पर ओस पड़े।

न्यायियों 7:2–3

यहोवा ने डरे हुए सैनिकों को वापस क्यों भेजा??

यहोवा ने डरे हुए सैनिकों को वापस भेज दिया ताकि इस्राएल यहोवा के विरुद्ध यह कहकर अपनी बड़ाई न कर सके कि, "हम अपने ही भुजबल के द्वारा बचे हैं।"

न्यायियों 7:4

यहोवा ने गिदोन को सैनिकों को सोते के पास ले जाने के लिए क्यों कहा?

यहोवा गिदोन को यह बताकर सैनिकों की संख्या कम करना चाहते थे कि उसके संग कौन चले।

न्यायियों 7:5

यहोवा ने गिदोन को सैनिकों को अलग करने के लिए कैसे कहा?

यहोवा ने गिदोन से कहा कि वह उन सभी लोगों को अलग कर दे जो कुत्ते के समान जीभ से पानी चपड़-चपड़ करके पीएँ।

न्यायियों 7:7–8

गिदोन ने कितने सैनिक अपने साथ लिए?

गिदोन ने तीन सौ सैनिकों को अपने साथ लिया और शेष को उनके डेरे को भेज दिया।

न्यायियों 7:10–11

अगर गिदोन डरता हो, तो किस बात से गिदोन का हियाव बढ़ेगा?

यदि गिदोन डरता हो, तो उसे छावनी में जाने और उनकी बातें सुनने के लिए कहा गया, जिससे छावनी पर चढ़ाई करने के लिए उसका हियाव बढ़ जाएगा।

न्यायियों 7:13–14

जब एक पुरुष किसी संगी को एक स्वप्न बता रहा था, तो संगी ने किसके बारे में स्वप्न को बताया था?

एक पुरुष अपने संगी को एक स्वप्न बता रहा था, तो उसके संगी ने बताया कि यह स्वप्न गिदोन के बारे में था। परमेश्वर ने उसे मिद्यान और उनकी पूरी सेना पर विजय दिलाई थी।

न्यायियों 7:16

गिदोन ने अपने तीन सौ सैनिकों को क्या दिया?

गिदोन ने उन्हें नरसिंगा और खाली घड़ा दिया, और घड़ों के भीतर एक मशाल थी।

न्यायियों 7:19

गिदोन के सैनिकों ने कब नरसिंगे फूँके और अपने हाथ के घड़ों को तोड़ डाला?

जैसे ही मिद्यानियों ने पहरुओं की बदली की, गिदोन के सैनिकों ने नरसिंगे फूँके और अपने हाथ के घड़ों को तोड़ डाला।

न्यायियों 7:22

जब सैनिकों ने तीन सौ नरसिंगों को फूँका, तो यहोवा ने क्या किया?

जब उन्होंने तीन सौ नरसिंगों को फूँका, तब यहोवा ने हर एक मिद्यानी पुरुष की तलवार उसके संगी पर और उनकी सब सेना के विरुद्ध चलवाई।

न्यायियों 7:24

एप्रैमी पुरुषों ने कितनी दूर तक इकट्ठे होकर घाटों को अपने वश में कर लिया?

एप्रैमी पुरुषों ने इकट्ठे होकर यरदन नदी के घाटों को बेतबारा तक अपने वश में कर लिया।

न्यायियों 8:1

एप्रैम के लोगों ने गिदोन से झगड़ा क्यों किया?

एप्रैम के लोगों ने गिदोन से झगड़ा किया क्योंकि जब वह मिद्यान के विरुद्ध लड़ने गया था तो उसने उन्हें नहीं बुलाया था।

न्यायियों 8:5

गिदोन ने सुक्कोत के लोगों से क्या माँगा?

गिदोन ने सुक्कोत के लोगों से अपने पीछे आनेवाले लोगों के लिए रोटियाँ माँगीं।

न्यायियों 8:6

गिदोन ने पनूएल के लोगों से यह क्यों कहा कि वह गुम्मट को ढा देगा?

गिदोन ने पनूएल के लोगों से कहा कि वह गुम्मट को ढा देगा क्योंकि वे उसकी सेना को रोटी नहीं देंगे, ठीक वैसे ही जैसे सुक्कोत के लोगों ने मना कर दिया था।

न्यायियों 8:8–9

गिदोन ने पनूएल के पुरुषों से यह क्यों कहा कि वह इस गुम्मट को ढा देगा?

गिदोन ने पनूएल के लोगों से कहा कि वह इस गुम्मट को ढा देगा क्योंकि उन्होंने उनकी सेना को रोटी नहीं दी, जैसे कि सुक्कोत के लोगों ने भी इनकार किया था।

न्यायियों 8:11

गिदोन ने नोबह और योगबहा के आगे शत्रु सेना को क्यों हराया?

गिदोन ने शत्रु सेना को हरा दिया, क्योंकि उन्हें हमले की उम्मीद नहीं थी।

न्यायियों 8:15–16

गिदोन ने सुक्कोत के पुरुषों को दण्ड देने से पहले उन्हें किसे दिखाया?

गिदोन ने सुक्कोत के पुरुषों को दण्ड देने से पहले जेबह और सल्मुन्ना को दिखाया।

न्यायियों 8:18–19

जेबह और सल्मुन्ना ने ताबोर में किस तरह के मनुष्यों को घात किया था?

जेबह और सल्मुन्ना ने गिदोन के भाइयों को घात किया था।

न्यायियों 8:20

यतेरे ने अपनी तलवार क्यों नहीं निकाली?

यतेरे ने अपनी तलवार नहीं निकाली क्योंकि वह डर गया था, क्योंकि वह उस समय तक लड़का ही था।

न्यायियों 8:23

गिदोन ने किसके बारे में कहा कि वह इस्राएलियों के ऊपर प्रभुता करेंगे?

गिदोन ने कहा कि यहोवा इस्राएलियों के ऊपर प्रभुता करेंगे।

न्यायियों 8:24

गिदोन ने इस्राएलियों से क्या माँगा?

गिदोन ने उनसे लूट की बालियाँ माँगीं।

न्यायियों 8:27

गिदोन ने बालियों से क्या बनाया?

गिदोन ने बालियों से एक एपोद बनाया।

न्यायियों 8:27 (#2)

इस्राएल ने सोने के एपोद के साथ क्या किया?

इस्राएल इसके पीछे व्यभिचारिणी के समान हो लिया।

न्यायियों 8:33

गिदोन के मरते ही क्या हुआ?

जैसे ही गिदोन मर गया, इस्राएल के लोग फिर गए, और व्यभिचारिणी के समान बाल देवताओं के पीछे हो लिए।

न्यायियों 9:1

अबीमेलेक का पिता कौन था?

अबीमेलेक का पिता यरूब्बाल था।

न्यायियों 9:3

अबीमेलेक के मामाओं ने उसके पीछे अपना मन क्यों लगा दिया?

वे अबीमेलेक के पीछे अपना मन लगा दिया क्योंकि उन्होंने कहा, “अबीमेलेक तो हमारा भाई है।”

न्यायियों 9:4

अबीमेलेक ने चाँदी के सत्तर टुकड़ों का उपयोग किस लिए किया?

अबीमेलेक ने सत्तर चाँदी के टुकड़ों का उपयोग नीच और लुच्चे जनों को किराये पर रखने के लिए किया।

न्यायियों 9:5

योताम की हत्या क्यों नहीं हुई?

योताम की हत्या नहीं हुई, क्योंकि वह छिप गया था।

न्यायियों 9:7

योताम ने शेकेम के अगुवों को किस दिन संबोधित किया?

योताम ने उन्हें उसी दिन संबोधित किया जिस दिन उन्होंने उसके पिता के घराने के विरुद्ध उठकर उसके सत्तर पुत्रों को एक ही पत्थर पर घात किया था।

न्यायियों 9:18

योताम ने शेकेम के अगुवों को किस दिन संबोधित किया था?

योताम ने उसी दिन उनसे बात की जब उन्होंने उसके पिता के घराने के विरुद्ध उठकर बलवा किया और उसके सत्तर पुत्रों को एक ही पत्थर पर घात किया।

न्यायियों 9:20

यदि लोग यरूब्बाल और उसके घराने के साथ सच्चाई और खराई से बर्ताव करें, तो क्या होगा?

यदि लोग यरूब्बाल और उसके घराने के साथ सच्चाई और खराई से बर्ताव करें, तो अबीमेलेक से आग निकलेगी और शेकेम के मनुष्यों और बेतमिल्लो को भस्म कर देगी। शेकेम और बेतमिल्लो के लोगों से आग निकलेगी और अबीमेलेक को भस्म कर देगी।

न्यायियों 9:20 (#2)

योताम का श्राप क्या था?

योताम का श्राप था कि अबीमेलेक से आग निकले और शेकेम के मनुष्यों और बेतमिल्लो को भस्म कर दे, और शेकेम के मनुष्यों और बेतमिल्लो से आग निकले, जो अबीमेलेक को भस्म कर दे।

न्यायियों 9:23–24

परमेश्वर ने अबीमेलेक और शेकेम के अगुवों के बीच एक बुरी आत्मा क्यों भेजी?

परमेश्वर ने अबीमेलेक और शेकेम के अगुवों के बीच एक बुरी आत्मा भेजी ताकि यरूब्बाल के सत्तर पुत्रों पर किए गए उपद्रव का बदला लिया जा सके।

न्यायियों 9:25

शेकेम के अगुवे किस पर घात लगाने की योजना बना रहे थे?

शेकेम के अगुवों ने अबीमेलेक पर घात लगाने की योजना बना रहे थे।

न्यायियों 9:28–29

कौन लोगों पर नियंत्रण करना चाहता था?

गाल लोगों पर नियंत्रण करना चाहता था।

न्यायियों 9:30

जबूल का क्रोध क्यों भड़क उठा?

जब जबूल ने एबेद के पुत्र गाल की बातें सुनीं, तो उसका क्रोध भड़क उठा।

न्यायियों 9:31

जबूल ने अबीमेलेक के पास दूतों को क्यों भेजा?

उसने अबीमेलेक के पास दूतों को भेजा ताकि उसे एबेद के पुत्र गाल के बारे में चेतावनी दी जा सके।

न्यायियों 9:36

जबूल ने पहाड़ों की चोटियों पर मौजूद लोगों का वर्णन कैसे किया?

जबूल ने कहा कि वे पहाड़ों की छाया थे।

न्यायियों 9:38

जबूल ने गाल से क्या करने के लिए कहा?

जबूल ने गाल से कहा कि वह निकलकर अबीमेलेक से लड़े।

न्यायियों 9:40

जब गाल अबीमेलेक से लड़ा तो क्या हुआ?

अबीमेलेक ने गाल का पीछा किया और गाल अबीमेलेक के सामने से भाग गया और नगर के फाटक तक पहुँचते-पहुँचते बहुत से घायल होकर गिर पड़े।

न्यायियों 9:45

नगर को ले लेने के बाद अबीमेलेक ने क्या किया?

अबीमेलेक ने नगर की दीवारों को ढा दिया और उन पर नमक छिड़कवा दिया।

न्यायियों 9:46

शेकेम के गुम्मट के सब रहनेवाले प्रधान कहाँ जा घुसे?

शेकेम के गुम्मट के सब रहनेवाले प्रधान एलबरीत के मन्दिर के गढ़ में जा घुसे।

न्यायियों 9:48–49

अबीमेलेक ने शेकेम के गुम्मट के सभी प्रधानों और लोगों को कैसे मार डाला?

अबीमेलेक सल्मोन पहाड़ पर गया, गढ़ पर डालियाँ इकट्ठी करीं, और उसके ऊपर आग लगा दी।

न्यायियों 9:52–53

जब अबीमेलेक तेबेस के गुम्मट के द्वार के पास आया तो उसके साथ क्या हुआ?

जब अबीमेलेक तेबेस के गुम्मट के द्वार के पास पहुँचा, तो एक स्त्री ने चक्की का ऊपरी पाट उसके सिर पर गिरा दिया, जिससे उसकी खोपड़ी फट गई।

न्यायियों 9:54

अबीमेलेक ने अपने हथियारों के ढोनेवाले से तलवार निकालकर उसे मार डालने को क्यों कहा?

अबीमेलेक ने अपने हथियारों के ढोनेवाले से कहा कि वह अपनी तलवार खींचकर उसे मार डाले, ताकि कोई यह न कहे कि एक स्त्री ने अबीमेलेक को घात किया।

न्यायियों 9:57

योताम का श्राप क्या था?

योताम ने श्राप यह था कि अबीमेलेक से आग निकले और शेकेम के पुरुषों और बेतमिल्लो को भस्म कर दे, और शेकेम के पुरुषों और बेतमिल्लो से आग निकले और अबीमेलेक को भस्म कर दे।

न्यायियों 10:1

शामीर कहाँ स्थित था?

शामीर एप्रैम के पहाड़ी देश में स्थित था।

न्यायियों 10:6–7

यहोवा इस्राएलियों पर क्रोधित क्यों हुए?

इस्राएलियों ने यहोवा को त्याग दिया और उनकी उपासना नहीं की, इसलिए उनका क्रोध इस्राएल पर भड़क उठा।

न्यायियों 10:9

इस्राएल बड़े संकट में क्यों पड़ गया?

अम्मोनी यहूदा और बिन्यामीन से और एप्रैम के घराने से लड़ने को यरदन पार जाते थे, जिससे इस्राएल बड़े संकट में पड़ गया।

न्यायियों 10:14

यहोवा ने इस्राएलियों को सहायता के लिए किसको पुकारने को कहा?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे उन देवताओं की दुहाई दें जिनकी वे उपासना करते थे।

न्यायियों 10:16

यहोवा इस्राएल के कष्ट के कारण क्यों खेदित हुआ?

इस्राएल ने अपने पराए देवताओं को दूर किया और यहोवा की उपासना करने लगे, इसलिए वह उनके कष्ट के कारण खेदित हुआ।

न्यायियों 11:1

यिप्तह किसका बेटा था?

यिप्तह एक वेश्या का बेटा था।

न्यायियों 11:5–6

गिलाद के वृद्ध लोग यिप्तह को तोब देश से वापस लाने क्यों गए?

गिलाद के वृद्ध लोग यिप्तह को तोब देश से वापस लाने गए ताकि वह उनका प्रधान बन सके।

न्यायियों 11:7–8

गिलाद के वृद्ध लोग यिप्तह की ओर क्यों फिर रहे थे?

गिलाद के वृद्ध लोग यिप्तह की ओर फिर रहे थे क्योंकि वे संकट में पड़े थे।

न्यायियों 11:9

यदि गिलाद के वृद्ध लोग यिप्तह को अम्मोनियों के सैनिकों से लड़ने के लिए फिर से घर ले आएं, और यदि यहोवा उन्हें उन पर विजय दिला दे, तो यिप्तह का क्या होगा?

यदि गिलाद के वृद्ध लोगों यिप्तह को अम्मोनियों के सैनिकों के विरुद्ध लड़ने के लिए फिर से अपने घर ले आए, और यदि यहोवा उन्हें उन पर विजय दिलाए, तो यिप्तह उनका प्रधान होगा।

न्यायियों 11:12–13

अम्मोन के लोग इस्राएल के देश को ले लेने के लिए बलपूर्वक क्यों आए?

अम्मोन के लोग इस्राएल के देश को ले लेने के लिए बलपूर्वक आए थे क्योंकि जब इस्राएली मिस्र से बाहर आए थे, तब उन्होंने अम्मोन देश को छीन लिया था।

न्यायियों 11:17

कौन इस्राएल को जाने देने के लिये तैयार नहीं था?

एदोम के राजा और मोआब के राजा इस्राएल को जाने देने के लिये तैयार नहीं थे।

न्यायियों 11:18

इस्राएल मोआब देश में क्यों नहीं गया?

वे मोआब देश में नहीं गए, क्योंकि अर्नोन मोआब की सीमा थी।

न्यायियों 11:21

किसने इस्राएल को सीहोन पर विजय दिलवाई?

यहोवा, इस्राएल के परमेश्वर, ने इस्राएल को सीहोन पर विजय दिलाई।

न्यायियों 11:26

इस्राएल हेशबोन और उसके गाँवों, अरोएर और उसके गाँवों, और अर्नोन के किनारे के सब नगरों में कितने समय तक रहा?

इस्राएल हेशबोन और उसके गाँवों, अरोएर और उसके गाँवों, और अर्नोन के किनारे के सब नगरों में तीन सौ वर्ष तक बसा रहा।

न्यायियों 11:30

यदि यहोवा ने यिप्तह को अम्मोनियों पर विजय दिलाई, तो यिप्तह क्या करेगा?

यदि यहोवा ने यिप्तह को अम्मोनियों पर विजय दिलाई, तो जो कोई भी भेंट करने के लिए उसके घर के द्वार से निकले, उसे यिप्तह होमबलि करके चढ़ाएगा।

न्यायियों 11:32

जब यिप्तह अम्मोनियों से लड़ने के लिए उनके पास गया, तो उसे विजय किसने दिलाई?

जब यिप्तह अम्मोनियों से लड़ने के लिए उनके पास गया, तो यहोवा ने उसे विजय दिलाई।

न्यायियों 11:34

यिप्तह की कितनी सन्तान थीं?

यिप्तह के पास केवल एक बेटी थी।

न्यायियों 11:36–37

यिप्तह की बेटी उसके वचन को पूरा करने से पहले क्या करना चाहती थी?

वह चाहती थी कि वह उसे दो महीने के लिए अकेला छोड़ दिया जाए, ताकि वह पहाड़ों पर फिरती हुई अपने कुँवारेपन पर रोती रहे।

न्यायियों 11:39

यिप्तह ने अपनी बेटी के साथ क्या किया?

उसने अपनी मानी हुई मन्नत के अनुसार उसके साथ व्यवहार किया।

न्यायियों 12:1

एप्रैमी पुरुष यिप्तह के घराने के साथ क्या करना चाहते थे क्योंकि उसने उन्हें अपने संग चलने के लिए नहीं बुलाया था?

एप्रैमी यिप्तह के घराने को जला देना चाहते थे क्योंकि उसने उन्हें अम्मोनियों से लड़ने के लिए अपने संग चलने के लिए नहीं बुलाया था।

न्यायियों 12:4

गिलाद के लोगों ने एप्रैम के लोगों पर हमला क्यों किया?

गिलाद के लोगों ने एप्रैम के लोगों पर इसलिए हमला किया क्योंकि उन्होंने कहा था, "हे गिलादियों, तुम तो एप्रैम और मनश्शे के बीच रहनेवाले एप्रैमियों के भगोड़े हो।"

न्यायियों 12:5–6

गिलाद के पुरुष यह कैसे परखते थे कि कोई व्यक्ति एप्रैम का है या नहीं?

वे उसे "शिब्बोलेत" कहने को कहते थे। और अगर वह "सिब्बोलेत" कहता (क्योंकि उससे वह ठीक से बोला नहीं जाता था), तो गिलाद के लोग उसे पकड़कर यरदन नदी के घाट पर मार डालते।

न्यायियों 13:2

मानोह की पत्नी पुत्र को जन्म क्यों नहीं दे सकी?

मानोह की पत्नी बाँझ होने के कारण पुत्र को जन्म नहीं दे सकी।

न्यायियों 13:5

बच्चे के सिर पर उस्तरा क्यों नहीं चलाया जाना था?

उसके सिर पर उस्तरा नहीं चलाया जाना था, क्योंकि वह बच्चा परमेश्वर का नाज़ीर था।

न्यायियों 13:6

परमेश्वर का जन कैसा दिखता था?

परमेश्वर का जन परमेश्वर के दूत जैसा दिखता था।

न्यायियों 13:9

जब परमेश्वर का दूत दूसरी बार आया तो वहाँ कौन था?

जब परमेश्वर का दूत दूसरी बार आया, तो वहाँ केवल मानोह की पत्नी थी।

न्यायियों 13:12

मानोह ने दूत से क्या पूछा?

मानोह ने दूत से उस बालक के लिए उसका ढंग और उसके काम के बारे में पूछा।

न्यायियों 13:16

अगर मानोह ने होमबलि तैयार की, तो उसे किसके लिये चढ़ाना था?

अगर मानोह ने होमबलि तैयार की, तो उसे यहोवा के लिये चढ़ाना था।

न्यायियों 13:19–20

जब मानोह और उसकी पत्नी देख रहे थे, तब यहोवा ने कौन सा अद्‌भुत काम किया?

जब मानोह और उसकी पत्नी देख रहे थे, तब यहोवा का दूत वेदी की लौ में होकर ऊपर चढ़ गया।

न्यायियों 13:25

यहोवा की आत्मा ने शिमशोन को कहाँ से उभारना शुरू किया?

यहोवा की आत्मा ने महनेदान में शिमशोन को उभारना शुरू किया।

न्यायियों 14:2

शिमशोन अपने माता-पिता द्वारा किसे अपनी पत्नी बनाना चाहता था?

शिमशोन चाहता था कि उसके माता-पिता तिम्नाह की एक स्त्री, जो पलिश्तियों की एक बेटी थी, उसको उसकी पत्नी बनाएँ।

न्यायियों 14:3

शिमशोन क्यों चाहता था कि उसके माता-पिता तिम्नाह की स्त्री से उसका विवाह करवा दें?

वह चाहता था कि उसके माता-पिता तिम्नाह की एक स्त्री से उसका विवाह करवा दें, क्योंकि जब वह उसे देखता था, तो वह उसे अच्छी लगती थी।

न्यायियों 14:6

शिमशोन सिंह को कैसे फाड़ पाया?

यहोवा का आत्मा अचानक उस पर आया, और उसने सिंह को फाड़ डाला।

न्यायियों 14:8

सिंह की लोथ में क्या था?

सिंह की लोथ में मधुमक्खियों का झुण्ड और मधु था।

न्यायियों 14:13

यदि तीस संगी उसकी पहेली का अर्थ नहीं बता पाए तो शिमशोन को क्या मिलेगा?

यदि तीस संगी उसकी पहेली का अर्थ नहीं बता पाए तो शिमशोन को तीस कुर्ते और तीस जोड़े कपड़े मिलेंगे।

न्यायियों 14:15

यदि शिमशोन की पत्नी अपने पति को धोखा देकर पहेली का अर्थ न बताया होता, तो उसके साथ क्या होता?

यदि शिमशोन की पत्नी अपने पति को धोखा देकर पहेली का अर्थ न बताया होता, तो तीस मित्र उसे और उसके पिता के घरों को जला देते।

न्यायियों 14:17

पहेली का अर्थ पाने के लिए शिमशोन की पत्नी कितनी देर तक रोती रही?

वह भोज के सात दिनों तक रोती रही।

न्यायियों 14:19

शिमशोन को तीस जोड़े कपड़े कैसे मिले?

शिमशोन ने अश्कलोन जाकर वहाँ के लोगों में से तीस पुरुषों को मार डाला और उनके वस्त्र छीन लिये।

न्यायियों 15:1

जब शिमशोन अपनी पत्नी से मिलने गया तो उसके पिता ने उसे अन्दर क्यों नहीं आने दिया?

पिता ने सोचा कि शिमशोन अपनी पत्नी से बैर रखता है, इसलिए पिता ने उसे शिमशोन के साथी को दे दिया।

न्यायियों 15:3–4

जब शिमशोन ने पलिश्तियों को हानि पहुँचाई तो उसने उनके प्रति निर्दोष ठहरने का प्रयास कैसे किया?

शिमशोन ने पलिश्तियों के विषय में निर्दोष ठहरने का प्रयास किया जब उसने तीन सौ लोमड़ियों को पकड़कर, उनमें मशालें बाँधकर, और उन्हें पलिश्तियों के खेतों में छोड़ कर उन्हें नुकसान पहुँचाया।

न्यायियों 15:6

जब पलिश्तियों को बताया गया कि शिमशोन ने उनके खेतों को जला दिया, तो उन्होंने क्या किया?

जब पलिश्तियों को बताया गया कि शिमशोन ने उनके खेतों को जला दिया है, तो उन्होंने उसकी पत्नी और उसके पिता को भी जला दिया।

न्यायियों 15:7–8

शिमशोन ने पलिश्तियों को अति निष्ठुरता के साथ बड़ी मार से क्यों मार डाला?

शिमशोन ने अपनी पत्नी और उसके पिता की हत्या का बदला लेने के लिए पलिश्तियों को अति निष्ठुरता के साथ बड़ी मार से मार डाला।

न्यायियों 15:9–10

पलिश्तियों ने यहूदा पर चढ़ाई क्यों करी थी?

पलिश्तियों ने यहूदा पर चढ़ाई करी ताकि वे शिमशोन को पकड़ सकें, और उसके साथ वैसा ही व्यवहार कर सकें जैसा शिमशोन ने उनके साथ किया था।

न्यायियों 15:12

जब यहूदा के पुरुष शिमशोन को बाँधने आए, तो उसने उनसे क्या शपथ दिलाई?

जब यहूदा के पुरुष शिमशोन को बाँधने आए, तो उसने उनसे शपथ दिलाई कि वे उस पर प्रहार नहीं करेंगे।

न्यायियों 15:15

शिमशोन ने एक हजार पुरुषों को किससे मार डाला?

शिमशोन ने गदहे के जबड़े की एक नई हड्डी से हजार पुरुषों को मार डाला।

न्यायियों 15:18

जब शिमशोन ने गदहे के जबड़े की एक नई हड्डी से एक हजार लोगों को मार डाला, तो उसे ऐसा क्यों लगा कि वह मर जाएगा?

जब शिमशोन ने गदहे के जबड़े की एक नई हड्डी से एक हजार लोगों को मार डाला, तो उसे लगा कि वह प्यास से मर जाएगा।

न्यायियों 15:19

शिमशोन को पानी कैसे प्राप्त हुआ?

परमेश्वर ने लही में ओखली सा गड्ढा कर दिया, और पानी बाहर निकलने लगा।

न्यायियों 16:2

गाज़ावासियों ने शिमशोन को मार डालने की योजना कब बनाई थी?

गाज़ावासियों ने दिन के उजाले में शिमशोन को मार डालने की योजना बनाई थी।

न्यायियों 16:3

शिमशोन गाज़ा से कैसे निकला?

शिमशोन ने नगर के फाटक के दोनों पल्लों और दोनों बाजुओं को पकड़कर बेंड़ों समेत उखाड़ लिया।

न्यायियों 16:5

यदि दलीला ने शिमशोन को धोखा दिया, तो पलिश्तियों के सरदार उसे क्या देंगे?

यदि दलीला ने शिमशोन को धोखा दिया, तो पलिश्तियों का प्रत्येक सरदार उसे ग्यारह-ग्यारह सौ टुकड़े चाँदी देंगे।

न्यायियों 16:9

जब दलीला ने शिमशोन को बताया कि पलिश्ती उस की घात में हैं, तो उसने उन ताँतों का क्या किया जिनसे वह बँधा हुआ था?

जब दलीला ने शिमशोन को बताया कि पलिश्ती उस की घात में है, तो उसने ताँतों को तोड़ डाला।

न्यायियों 16:12

जब शिमशोन ने अपनी भुजाओं से रस्सियाँ तोड़ी, तो घात लगाए बैठे लोग कहाँ थे?

जब शिमशोन ने अपनी भुजाओं से रस्सियाँ तोड़ी, तो घात लगाए बैठे लोग भीतरी कोठरी में थे।

न्यायियों 16:16

दलीला ने शिमशोन को तंग किया?

उसने उस पर इतना दबाव डाला कि उसकी नाकों में दम आ गया।

न्यायियों 16:17

शिमशोन ने अपने सिर के बाल कभी उस्तरे से क्यों नहीं कटवाए?

शिमशोन ने अपने सिर के बाल कभी उस्तरे से नहीं कटवाए, क्योंकि वह अपनी माँ के पेट से ही परमेश्वर का नाज़ीर था।

न्यायियों 16:19

दलीला ने शिमशोन को कब दबाना शुरू किया?

दलीला ने उसे तब दबाना शुरू किया जब उसके सिर की सातों लटें मुँण्ड़वा दी गई, क्योंकि वह निर्बल हो गया था।

न्यायियों 16:21

पलिश्तियों ने शिमशोन से क्या काम करवाया?

पलिश्तियों ने शिमशोन से बन्दीगृह में चक्की पीसने का काम करवाया।

न्यायियों 16:23

पलिश्तियों के सरदार अपने देवता दागोन को एक बड़ा यज्ञ चढ़ाने के लिए क्यों इकट्ठे हुए?

पलिश्तियों के सरदार अपने देवता दागोन को एक बड़ा यज्ञ चढ़ाने के लिए इकट्ठे हुए, क्योंकि उन्होंने कहा, "हमारे देवता ने हमारे शत्रु शिमशोन को हमारे हाथ में कर दिया है।"

न्यायियों 16:26

शिमशोन को उन खम्भों को छूने में किसने मदद की जिन पर घर सम्भला हुआ था?

जिस लड़के ने शिमशोन का हाथ पकड़ा था, उसने शिमशोन को उन खम्भों को छूने में मदद की जिन पर घर सम्भला हुआ था।

न्यायियों 16:28

शिमशोन क्यों चाहता था कि परमेश्वर उसे बल दें?

शिमशोन चाहता था कि परमेश्वर उसे बल दें ताकि वह पलिश्तियों से अपनी दोनों आँखें छीन लेने का बदला एक ही वार में ले सके।

न्यायियों 16:30

घर गिरने पर शिमशोन ने कितने लोगों को मारा?

शिमशोन ने अपने जीवन में जितने लोगों को मारा था, उससे कहीं अधिक लोगों को उसने उस समय मारा।

न्यायियों 17:2

मीका ने क्या चुरा लिया था?

मीका ने अपनी माता से लिए गए ग्यारह सौ टुकड़े चाँदी चुरा लिए थे।

न्यायियों 17:3

मीका की माता ने चाँदी को किस लिये अलग कर दिया?

उसने यहोवा के लिये चाँदी अलग कर दिया, ताकि उसका बेटा एक मूरत खोदकर, और दूसरी ढालकर बनाए।

न्यायियों 17:5

मीका ने अपने एक पुत्र को किसके लिए ठहरा दिया?

उसने अपने बेटों में से एक को पुरोहित बनने के लिए ठहरा दिया।

न्यायियों 17:8

लेवियों ने बैतलहम क्यों छोड़ा?

लेवियों ने बैतलहम छोड़ दिया ताकि वे रहने के लिए एक स्थान खोज सकें।

न्यायियों 17:10

मीका ने लेवी से क्या करने को कहा?

मीका ने लेवी से उसके संग रहने और उसका सलाहकार और पुरोहित बनने के लिए कहा।

न्यायियों 17:13

मीका को क्यों लगा कि यहोवा उसके लिए भला करेंगे?

मीका ने सोचा कि यहोवा उसके लिए भला करेंगे, क्योंकि एक लेवीय उसका पुरोहित बन गया था।

न्यायियों 18:1

दानियों के वंशजों का गोत्र रहने के लिये कोई भाग क्यों ढूँढ़ रहा था?

दानियों के वंशजों का गोत्र रहने के लिए लिये कोई भाग ढूँढ़ रहा था, क्योंकि उस दिन तक उन्हें इस्राएली गोत्रों के बीच कोई भाग नहीं मिला था।

न्यायियों 18:5

दान के लोग चाहते थे कि लेवी क्या करे?

दान के लोग चाहते थे कि लेवी परमेश्वर की सलाह लें।

न्यायियों 18:9

दान के पाँच पुरुष लैश के देश के साथ क्या करना चाहते थे?

दान के पाँच पुरुष देश को अपने वश में करना चाहते थे।

न्यायियों 18:14

पाँच पुरुषों ने पूछा कि लैश के घरों में क्या था?

पाँच पुरुषों ने कहा कि लैश के घरों में एक एपोद, कई एक गृहदेवता, एक खुदी और एक ढली हुई मूरत थी।

न्यायियों 18:17

ढली हुई मूरत को किसने ले लिया?

जो पाँच पुरुष उस देश का भेद लेने गए थे, वे वहाँ गए और उन्होंने ढली हुई मूरत को ले लिया।

न्यायियों 18:24

मीका क्यों क्रोधित था?

मीका क्रोधित था क्योंकि दानियों ने उसके बनवाए हुए देवताओं को चुरा लिया था, वे पुरोहित को ले गए थे, और वे जा रहे थे।

न्यायियों 18:26

मीका कब फिरके अपने घर लौट गया?

जब मीका ने देखा कि वे उससे अधिक बलवन्त हैं, तो वह फिरके अपने घर लौट गया।

न्यायियों 18:28

लैश के लोगों को बचानेवाला कोई क्यों नहीं था?

लोगों को बचानेवाला कोई नहीं था क्योंकि वह सीदोन से बहुत दूर था और वे किसी से कोई व्यवहार न रखते थे।

न्यायियों 18:30

दानियों के गोत्र के याजक कौन थे?

गेर्शोम (मूसा के पुत्र) का पुत्र योनातान, वह और उसके पुत्र, देश की बँधुआई के दिन तक दानियों के गोत्र के याजक थे।

न्यायियों 19:1

लेवीय कहाँ रहता था?

लेवीय कुछ समय तक एप्रैम के पहाड़ी देश की परली ओर परदेशी होकर रहता था।

न्यायियों 19:3

लेवीय की रखैल उसे कहाँ ले आई?

रखैल लेवीय को अपने पिता के घर ले आई।

न्यायियों 19:5–6

हालाँकि लेवीय घर जाना चाहता था, लेकिन उसके ससुर उससे क्या करवाना चाहता था?

उसका ससुर चाहता था कि वह वहीं एक रात टिका रहे।

न्यायियों 19:7

लेवीय ने जल्दी घर जाने की अपनी योजना के बारे में क्या किया?

उसने अपनी योजना बदल दी और रात अपने ससुर के साथ बिताई।

न्यायियों 19:9

पाँचवें दिन लेवीय के ससुर ने उससे फिर क्या करने को कहा?

उसके ससुर ने उसे एक और रात रुकने और अच्छा समय बिताने के लिए कहा।

न्यायियों 19:12

लेवीय यबूस में रात क्यों नहीं बिताना चाहता था?

लेवीय पराए नगर में नहीं जाना चाहता था।

न्यायियों 19:15

लेवीय और उसका सेवक नगर के चौक में क्यों बैठ गए?

वे नगर के चौक में बैठ गए, क्योंकि किसी ने उन्हें रात के लिए अपने घर में नहीं टिकाया।

न्यायियों 19:16

गिबा में रहने वाले लोग किस गोत्र के थे?

गिबा में रहने वाले लोग बिन्यामीनी थे।

न्यायियों 19:20

बूढ़े व्यक्ति ने लेवीय को क्या न करने की चेतावनी दी?

बूढ़े व्यक्ति ने लेवीय को चौक में रात न बिताने की चेतावनी दी।

न्यायियों 19:22

नगर के लुच्चे लोग बूढ़े पुरुष से यह क्यों चाहते थे कि वह उस आदमी को बाहर निकाले जो उसके घर में आया था?

नगर के लुच्चे लोग चाहते थे कि बूढ़ा पुरुष उस आदमी को बाहर निकाले जो उसके घर में आया था, ताकि वे उसके साथ भोग करें।

न्यायियों 19:24

बूढ़े पुरुष ने लेवीय के बदले लुच्चे लोगों को किसे दिया?

बूढ़े पुरुष ने उन्हें अपनी कुँवारी बेटी और लेवीय की रखैल दे दी।

न्यायियों 19:25–26

पौ फटते ही क्या हुआ?

पौ फटते ही लुच्चे लोगों ने रखैल को छोड़ दिया। वह आकर उस मनुष्य के घर के द्वार पर गिर पड़ी जहाँ उसका पति था, और उजियाले के होने तक वहीं पड़ी रही।

न्यायियों 19:28

जब लेवीय की रखैल ने कोई उत्तर न दिया, तो उसने क्या किया?

जब लेवीय की रखैल ने कोई उत्तर न दिया, तो उसने उसे गधे पर लादकर और घर के लिए निकल पड़ा।

न्यायियों 19:29

लेवीय ने अपनी रखैल के शरीर के साथ क्या किया?

लेवीय ने उसके अंग-अंग बारह टुकड़ों में काट डाले और उन टुकड़ों को पूरे इस्राएल में भेज दिया।

न्यायियों 20:1

मिस्पा में यहोवा के सामने कौन इकट्ठा हुआ?

दान से लेकर बेर्शेबा तक के सब लोग, जिनमें गिलाद देश भी शामिल था, मिस्पा में यहोवा के सामने इकट्ठे हुए।

न्यायियों 20:5

लेवीय ने बताया कि गिबा के पुरुषों ने उसके साथ क्या किया?

लेवीय ने बताया कि गिबा के पुरुषों ने उस पर चढ़ाई करी, घर को घेर लिया और उसे घात करने की कोशिश करी।

न्यायियों 20:9

लोग गिबा पर कैसे हमला करेंगे?

वे चिट्ठी डाल डालकर गिबा पर चढ़ाई करेंगे।

न्यायियों 20:13

इस्राएलियों ने बिन्यामीनियों से क्यों कहा कि वे उन्हें गिबावासी लुच्चों को सौंप दे?

इस्राएलियों ने बिन्यामीनियों से कहा कि वे उन्हें गिबावासी लुच्चों को सौंप दे, ताकि सारे गोत्र उन्हें मार डालें, और वे इस्राएल से इस बुराई को पूरी तरह से नाश कर दें।

न्यायियों 20:14

बिन्यामीनी लोग अपने-अपने नगर में से आकर गिबा में क्यों इकट्ठे हुए?

बिन्यामीनी लोग इस्राएलियों से लड़ने के लिए तैयार होने के लिये अपने-अपने नगर में से आकर गिबा में इकट्ठे हुए।

न्यायियों 20:16

सात सौ चुने हुए पुरुषों की विशेषता क्या थी?

सात सौ चुने हुए पुरुष बयंहत्थे थे; उनमें से सब के सब ऐसे थे कि गोफन से पत्थर मारने में बाल भर भी न चूकते थे।

न्यायियों 20:18

यहूदा ने बिन्यामीन पर पहले चढ़ाई क्यों करी?

लोगों ने परमेश्वर से सलाह ली, और यहोवा ने कहा, "यहूदा पहले चढ़ाई करे।"

न्यायियों 20:26

जब बिन्यामीन ने इस्राएल के बहुत से सैनिकों को मार डाला, तो इस्राएली सैनिकों ने क्या किया?

जब बिन्यामीन ने इस्राएल के बहुत से सैनिकों को मार डाला, तो इस्राएली सैनिक साँझ तक यहोवा के सामने रोते और उपवास करते रहे। उन्होंने यहोवा के सामने होमबलि और मेलबलि भी चढ़ाए।

न्यायियों 20:27

इस्राएलियों ने यहोवा से कैसे सलाह ली?

उन दिनों इस्राएलियों ने यहोवा से सलाह लेने के लिए परमेश्वर की वाचा के सन्दूक का उपयोग किया।

न्यायियों 20:32

जब इस्राएल के सैनिक नगर में से सड़कों पर आ गए, तो बिन्यामीनी लोगों ने क्या सोचा?

जब इस्राएल के सैनिक नगर में से सड़कों पर आ गए, तो बिन्यामीनी लोगों ने सोचा कि वे भाग रहे हैं।

न्यायियों 20:36

इस्राएली पुरुषों ने बिन्यामीनियों को क्यों हराया था?

इस्राएली पुरुषों ने बिन्यामीनियों को इसलिए हराया था क्योंकि वे उन घातकों का भरोसा कर रहे थे जिन्हें उन्होंने गिबा के पास बैठाया था।

न्यायियों 20:38

इस्राएली पुरुषों और घातकों के बीच क्या चिन्ह ठहराया गया था?

इस्राएली पुरुषों और घातकों के बीच यह चिन्ह ठहराया गया था कि नगर में से एक बहुत बड़ा धुएँ का खम्भा उठेगा।

न्यायियों 20:42

बिन्यामीनी क्यों नहीं बच पाए?

बिन्यामीनी इस्राएली पुरुषों को पीठ दिखाकर जंगल का मार्ग लिया, परन्तु लड़ाई उनसे होती ही रही।

न्यायियों 20:47

बिन्यामीन के कितने पुरुष घूमकर जंगल की ओर भागे?

छह सौ पुरुष घूमकर जंगल की ओर भागे।

न्यायियों 21:1

इस्राएली पुरुषों को इस बात की चिन्ता क्यों थी कि उनका एक गोत्र घट जाएगा?

इस्राएली पुरुषों को इस बात की चिन्ता थी कि उनका एक गोत्र घट जाएगा क्योंकि उन्होंने शपथ खाई थी कि वे अपनी बेटियों का विवाह किसी बिन्यामीनी से नहीं करेंगे।

न्यायियों 21:3

इस्राएली पुरुषों को इस बात की चिन्ता क्यों थी कि उनका एक गोत्र घट जाएगा?

इस्राएली पुरुषों को इस बात की चिन्ता थी कि उनका एक गोत्र घट जाएगा क्योंकि उन्होंने शपथ खाई थी कि वे अपनी बेटियों का विवाह किसी बिन्यामीनी से नहीं करेंगे।

न्यायियों 21:5

किसे निश्चय मार डाला जाएगा?

जो कोई मिस्पा को यहोवा के पास न आए वह निश्चय मार डाला जाएगा।

न्यायियों 21:8

इस्राएल के गोत्रों में से कौन सा गोत्र मिस्पा में यहोवा के पास नहीं आया?

गिलादी याबेश मिस्पा में यहोवा के पास नहीं आया।

न्यायियों 21:12

उन पुरुषों ने गिलादी याबेश में रहने वालों में से किसे लिया?

उन पुरुषों ने गिलादी याबेश में रहने वालों में से चार सौ जवान कुमारियों को लिया, जिन्होंने कभी किसी पुरुष का मुँह नहीं देखा था।

न्यायियों 21:14

उस समय जब बिन्यामीनी वापस लौटे और उन्हें गिलादी याबेश की स्त्रियाँ दी गईं, तो समस्या क्या थी?

उस समय जब बिन्यामीनी वापस लौटे और उन्हें गिलादी याबेश की स्त्रियाँ दी गईं, तो उन सभी के लिए पर्याप्त स्त्रियाँ नहीं थीं।

न्यायियों 21:19

शीलो कहाँ स्थित था?

शीलो बेतेल के उत्तर में, उस सड़क के पूर्व में स्थित था जो बेतेल से शेकेम तक जाती थी, और यह लबोना के दक्षिण में था।

न्यायियों 21:21

बिन्यामीनियों को कब दाख की बारियों से बाहर निकलकर शीलो की लड़कियों में से एक को पकड़ना था?

जब शीलो की लड़कियाँ नाचने को निकलतीं, तो उन्हें दाख की बारियों से बाहर निकलकर शीलो की लड़कियों में से एक को पकड़ना था।

न्यायियों 21:22

इस्राएली पुरुषों को शीलो के पुरुषों से लड़कियों के बारे में क्या बहाना कहना था?

इस्राएली पुरुषों को शीलो के पुरुषों से कहना था कि वे लड़कियों को वहीं रहने दें क्योंकि लड़ाई के समय इस्राएली पुरुषों को पत्नियाँ नहीं मिलती थीं।

न्यायियों 21:25

सब लोग कैसे रहते थे?

जिसको जो ठीक जान पड़ता था वही वह करता था।